ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-14 अक्टूबर-II, 2016 (पाक्षिक) माउण्ट आबू 8.00

समाज में साहस के साथ संवेदना का वाहक बने मीडिया - पाटिल

त्रिदिवसीय मीडिया महासम्मेलन का आयोजन शांतिवन में

मीडिया महासम्मेलन में सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी। मंचासीन हैं डॉ. एन. लक्ष्मी पार्वती, प्रो. कमल दीक्षित तथा बासवराज पाटिल। सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए कलाकार भाई बहनें।

शांतिवन। 'सामाजिक परिवर्तन के लिए आध्यात्मिक प्रज्ञा-मीडिया की भूमिका' विषय पर त्रिदिवसीय मीडिया महासम्मेलन का शुभारंभ ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन परिसर में हुआ। भारत तथा नेपाल से आये सैंकड़ो पत्रकारों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

'यही एक ऐसा स्थान है जहाँ पत्रकारों के आंतरिक विकास एवं उनकी बेहतरी की चर्चा होती है। अन्यथा विश्व में कहीं ऐसा स्थान नहीं है जहाँ पत्रकारों के पारिवारिक से लेकर उनके सामाजिक हितों की बात की जाती हो' - **रायपुर के वरिष्ठ पत्रकार मधुकर द्विवेदी।**

मीडिया प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. सुशांत ने कहा कि मीडिया में मूल्यों की धारणा और समाज के लिए प्रेरित करना ही ध्येय होना चाहिए, क्योंकि मीडिया के एक कदम से समाज की दशा और दिशा तय होती है।

'आपको अपने बारे में गहराई से सोचने और उसके निराकरण के बारे में विचार करने का सही अवसर है। इससे ही हम अपने आपको जान और समझ पायेंगे' - **मीडिया प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. आत्म प्रकाश।**

'अपने दायरे में रहकर ही मीडिया शांति और मूल्यनिष्ठ मीडिया होने का एक सफल उदाहरण समाज के लिए बन सकता है। साथ ही वर्तमान समय की परिस्थितियों पर मीडिया द्वारा हो रहे दुरुपयोग पर उन्होंने चिंता भी जताई' - **महासचिव ब्र.कु. निर्वैर।**

'आर्थिक विकास के साथ सामाजिक और बौद्धिक विकास के लिए मीडिया को पहल करनी चाहिए। समाज में अनेक प्रकार की चुनौतियाँ विद्यमान हैं, ऐसे में मीडिया को समाज में साहस और संवेदना का वाहक बनने का प्रयास करना चाहिए। ब्रह्माकुमारी संस्थान का यह प्रयास निश्चित तौर पर एक सकारात्मक परिणाम लायेगा' - **बासवराज पाटिल,राष्ट्रीय मंत्री, राष्ट्रीय स्वाभिमान आंदोलन।**

'मीडिया सामाजिक परिवर्तन में हमेशा सहायक रहा है। वर्तमान परिवेश में भी यह लोगों की सोच, नज़रिया, विचारों को प्रभावित करने में सक्षम है। मीडिया कर्मियों सहित सभी वर्गों को ये समझना होगा कि शांति मनुष्य का मूल स्वभाव है। व्यर्थ की बातों पर ध्यान नहीं देंगे तो तनाव से बचना और कार्यक्षेत्र में शांति लाना संभव होगा' - **ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी।**

'पत्रकारिता के मापदण्ड बदलते जा रहे हैं। संवेदना मरती जा रही है। हाल की कुछ घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। संवेदनहीन होते समाज में मूल्यों की स्थापना के लिए प्रयास करना चाहिए। वर्तमान समय में मीडिया की विश्वसनीयता को बनाये रखने के लिए सकारात्मक पहल की ज़रूरत है' - **भारत सरकार के केन्द्रीय सूचना आयुक्त एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. एम श्रीधर।**

'हमारा प्रयास है कि पत्रकारिता करने वाले लोग आंतरिक तौर पर इतने मज़बूत हों, ताकि वे चुनौतियों का सामना कर सकें' - **ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा।**

इस अवसर पर भोपाल के वरिष्ठ पत्रकार प्रो. कमल दीक्षित तथा राजस्थान विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव भानावत ने कहा कि हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में अब बहुत कुछ करने की ज़रूरत है, इसलिए सभी को एकजुट होना होगा।

हैदराबाद की पूर्व विधायिका डॉ. एन. लक्ष्मी पार्वती, मीडिया प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. शांतनु समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

सांस्कृतिक संध्या का भी हुआ आयोजन

ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय महासम्मेलन की प्रथम सांस्कृतिक संध्या में विभिन्न प्रान्तों से आये कलाकारों ने आंचलिक संस्कृति से रूबरू कराते हुए इंद्रधनुषी रंग बिखेरे। बैंगलोर से आये शिव शक्ति सांस्कृतिक अकादमी के ब्र.कु. राजू व सहयोगी कलाकारों ने नृत्य प्रस्तुत किया तथा मेरठ के मनु चौहान ने गीत प्रस्तुत किया - मैं कभी बतलाता नहीं पर अंधेरे से...। साथ ही काजोल डांस ग्रुप आगरा के कलाकारों ने श्रीकृष्ण लीला नृत्य प्रस्तुत करके वृन्दावन की याद दिला दी। डिवाइन एंजिल ग्रुप बेलगांव ने देवी नृत्य प्रस्तुत किया। ओंकारेश्वर के कलाकार, पंजाब के लोक नृत्य गिद्दा तथा हैरी शैरी ग्रुप पटियाला ने नृत्य प्रस्तुत करके दर्शकों को नाचने पर मजबूर कर दिया।

धैर्यता, संयम और शांति सेवा का आधार - डॉ. पिल्लई

ओ.आर.सी.-गुरुग्राम। डॉक्टर्स के लिए 'स्ट्रेस डिटोक्स एण्ड लीडरशिप' विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. ए.मारठंडा पिल्लई,राष्ट्रीय संयोजक,आई.एम.ए. ने कहा कि जितना शांति एवं धैर्यतापूर्ण वातावरण होता है, कार्य उतना ही सरल और सहज हो जाता है।

उन्होंने कहा कि यहाँ का इतना सुंदर वातावरण हमें प्रेरित करता है कि हम भी अपने कार्य क्षेत्र को इस प्रकार बनाएं।

डॉक्टर्स के लिए आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए डॉ. पिल्लई। साथ में हैं ब्र.कु. आशा, डॉ. के.के. अग्रवाल तथा अन्य।

'जीवन में तनाव का कारण दूसरों से अधिक अपेक्षाएं रखना है। हमें चाहिए कि हम सदा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में आज हमने चाहे कितनी भी उन्नति क्यों न की हो, लेकिन हमारे वेदों में औषधियों का जो ज्ञान दिया गया है, उसका आज भी मुकाबला नहीं है' - **सुप्रसिद्ध हृदयरोग विशेषज्ञ एवं हार्ट केयर फाउण्डेशन के अध्यक्ष डॉ. के.के. अग्रवाल।**

'जीवन में सबसे बड़ी पैथी सिम्पैथी है। जितना हमारे अंदर रहम और करुणा होगी, उतना ही हम नि:स्वार्थ सेवा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि असली लीडर वही है जो सबको साथ लेकर चलता है। वो कभी किसी को रिजेक्ट नहीं करता, क्योंकि हरेक के अंदर कोई न कोई गुण अवश्य है - **ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा।**

इस अवसर पर 200 से भी अधिक डॉक्टर्स माजूद रहे।